PCSMANTRA.COM

विकसित भारत को जन आंदोलन बनाना: भागीदारी के साथ जवाबदेही

समाचार-संदर्भ: 2026-11-16 | **प्रकाशन:** 17 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-II: शासन और जनभागीदारी



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

यह भी पढ़ें: P4M: बहुपक्षवाद की खामोश गठजोड़ — UNGA के मंच से नई पहल, चुनौतियाँ और राह

खबरों में क्यों

16 नवंबर 2026 को प्रकाशित शमिका रवि का लेख विकसित भारत को नागरिकों के स्वामित्व वाले जन आंदोलन के रूप में देखने का तर्क देता है। लेखक स्वच्छता और आवास जैसे क्षेत्रों के उदाहरण से कहती हैं कि विकास केवल संसाधन और संस्थाएं बदलने का काम नहीं, सामाजिक मान्यताओं और आकांक्षाओं से भी जुड़ा है। यह लेखक का नीति-विश्लेषण है; इसे नई योजना की अधिसूचना या स्वतंत्र प्रभाव-मूल्यांकन न मानें।

जन आंदोलन का नीति-अर्थ

भागीदारी तब अर्थपूर्ण होती है जब नागरिक केवल लाभार्थी नहीं, जरूरतों की पहचान, क्रियान्वयन और निगरानी में भी भूमिका निभा सकें। स्वच्छता के उदाहरण में शौचालय निर्माण, उसका उपयोग, रखरखाव, पानी और सामुदायिक व्यवहार अलग लेकिन जुड़े प्रश्न हैं। आवास के संदर्भ में स्वामित्व, निर्णय में आवाज और सेवाओं तक पहुंच के बीच संबंध पर विचार किया जा सकता है।

लेखक का तर्क है कि सार्वजनिक नेतृत्व सामाजिक मान्यताओं को बदल सकता है। उत्तर में इसे एक तर्क के रूप में रखें, सभी कार्यक्रमों की सफलता का स्वतः प्रमाण न बनाएं। किसी व्यवहार में परिवर्तन का कारण केवल एक अभियान था, यह साबित करने के लिए अलग मूल्यांकन चाहिए।

संतुलित विश्लेषण

जनभागीदारी राज्य की जिम्मेदारी का विकल्प नहीं है। सरकार को धन, सेवाएं, तकनीकी सहायता और शिकायत-निवारण उपलब्ध कराना होगा। समुदाय से अपेक्षा करना कि वह बिना साधनों के हर समस्या हल करे, भागीदारी नहीं है। कमजोर वर्गों, महिलाओं और कम मुखर नागरिकों की भागीदारी का स्तर भी देखना होगा।

मूल्यांकन में तीन अंतर रखें: अभियान में उपस्थिति और निर्णय पर प्रभाव; बनी परिसंपत्ति और उसका उपयोग; घोषित लक्ष्य और टिकाऊ परिणाम। स्थानीय अनुकूलन के साथ सार्वजनिक मानक और पारदर्शी निगरानी दोनों जरूरी हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

जन आंदोलन आधारित विकास में नागरिक स्वामित्व और राज्य की जवाबदेही का संतुलन कैसे बनाया जाए? (150 शब्द) (10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: जनभागीदारी को जरूरतों की पहचान, क्रियान्वयन और निगरानी से जोड़ें।

मुख्य भाग में: नागरिक स्वामित्व, महिलाओं और कमजोर समूहों की आवाज, संसाधन, सेवाएं और शिकायत-निवारण पर चर्चा करें।

निष्कर्ष में: राज्य की जिम्मेदारी बनाए रखते हुए टिकाऊ और मापने योग्य परिणामों पर जोर दें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

क्या जन आंदोलन सरकारी सेवाओं का विकल्प है?

नहीं। नागरिक भागीदारी और राज्य की जिम्मेदारी साथ चलती हैं।

क्या यह नई सरकारी योजना है?

उपलब्ध स्रोत एक विचार-लेख है, नई योजना की अधिसूचना नहीं।

इस लेख में प्रभाव के बड़े आंकड़े क्यों नहीं हैं?

स्रोत में आए स्वास्थ्य और सामाजिक प्रभाव के अनुमान मूल अध्ययनों से अलग सत्यापित नहीं किए गए; इसलिए उन्हें दोहराया नहीं गया।

स्रोत

- indianexpress.com